



वर्ष- 12 अंक - 28
लखनऊ, शुक्रवार 13 सितंबर, 2024
पृष्ठ- 12 मूल्य- ₹ 3.00
लखनऊ से प्रकाशित

samradhinewlko@gmail.com, www.samriddhisamachar.com, info@samriddhinews.com

समृद्धि न्यूज़

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

समृद्ध समाज का आधार

सुलतानपुर पुलिस ने साक्षों के आधार पर ही की कार्रवाई : डीजीपी

03

कुछ लोगों को राष्ट्रीय हित का ज्ञान नहीं : धनखड़

12

अभाव व अरिक्षा समाज के सबसे बड़े दुर्भाग्य : योगी

शुभारंग

► 825 विकासवर्णों में बनाएंगे अटल आवासीय जैसे विद्यालय

लखनऊ, समृद्धि न्यूज़।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गुरुवार को कहा कि उनकी सरकार अटल आवासीय विद्यालय की तर्ज पर 57 जिलों में विद्यालय खोलेंगी।

मोहनलालगंज विद्यालय में आयोजित कार्यक्रम में श्री योगी ने एक साथ प्रदेश के सभी 18 अटल आवासीय विद्यालयों में शैक्षिक सत्र 2024-25 का शुभारंग किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि अपनी तेज होने 18 विद्यालय प्राप्त किए हैं, जबकि इससे चरण में 57 जिलों में कार्यक्रम विद्यालय के लिए न समय है, न फूसत है, व्यक्ति उक्ते अपने एजेंडे हैं। उनका एकमात्र ऐडोनी और व्यापक राजनीतिक स्वर्ण के लिए लोगों को बानाना है। इसके अलावा उनको कुछ भी नहीं देखा दिया।



जिन लोगों ने कभी गरीबी नहीं देखी, वो गरीबी के दश को व्या समझ पाएंगे : मुख्यमंत्री

सीएम ने कहा कि जिन लोगों ने हमेशा शोण किया, अराजकता फैलाई, कभी गरीबी नहीं देखी, उनसे उम्मीद करना कि वो वीआईपी से जुड़े हुए रजिस्टर्ड श्रमिक या इन निरासित बच्चे जिन्होंने कोटिड कालाखड़ में अपने माता-पिता या अभिभावक को खोया है, उनकी पीड़ा को समझ पाएंगे। उन लोगों के पास उसे समझने के लिए न समय है, न फूसत है, व्यक्ति उक्ते अपने एजेंडे हैं। उनका एकमात्र ऐडोनी और व्यापक राजनीतिक स्वर्ण के लिए लोगों को बानाना है। इसके अलावा उनको कुछ भी नहीं देखा दिया।

विद्यालय खोलें जा रहे हैं। वर्ती, तिसरे रूप में इस प्रदेश की सभी 350 तहसीलों में लेकर जाएंगे। इसका मतलब 2000 ऐसे विद्यालय प्रदेश के अंदर दिखाई देंगे जो बच्चों को उत्तम शिक्षा

शिक्षा की गुणवत्ता का मानक बने अटल आवासीय विद्यालय

योगी ने कहा कि श्रद्धा अटल जी कहते थे कि जो समाज अशिक्षा और अभाव का सफलतापूर्वक मुकाबला कर ले तबको सुखित और समृद्ध होने से देखने को मिलती है। अद्वेय अटल जी को एक व्यापक जीवन का अनुभव भी और उस अनुभव को उन्होंने अपने शब्दों से, अपने काव्यों के माध्यम से और जब सरकार में आने का असर प्राप्त हुआ तो इन बुराइयों से लड़ने के लिए एक व्यापक विद्योजना जीमीनी धरतीत पर उतारने का कार्य किया था। उन्होंने कहा कि व्यक्ति हो या समाज, उसे सुखित किए बगैर आप सच्चे और समर्पण समाज और राष्ट्र की कल्पना बचाएं जो सही विद्यालयों की साथ उपलब्ध करवाना है और अवसर प्राप्त हो या अधिकारी जैसी विद्यालयों तेजी से उपलब्ध होनी है।

और समाज का बड़ा हिस्सा इसकी चर्पट में आता है। ऐसे में गरीबी, भुखमरी, अभाव ये सारी विकितियाँ समाज में देखने को मिलती हैं। अद्वेय अटल जी को एक व्यापक जीवन का अनुभव भी और उस अनुभव को उन्होंने अपने शब्दों से, अपने काव्यों के माध्यम से और जब सरकार में आने का असर प्राप्त हुआ तो इन बुराइयों से लड़ने के लिए एक व्यापक विद्योजना जीमीनी धरतीत पर उतारने का कार्य किया था। उन्होंने कहा कि व्यक्ति हो या समाज, उसे सुखित किए बगैर आप सच्चे और समर्पण समाज और राष्ट्र की कल्पना में बच्चों के साथ इंटरेक्शन का अवसर प्राप्त हो या अधिकारी जैसी विद्यालयों में आवासीय विद्यालय की शिक्षा की गुणवत्ता का मानक

बने। बिना भेदभाव के समाज के हर तरबके के बच्चे को उसकी जाति, वेहरा, क्षेत्र और भाषा पूछे बगैर देश, समाज, सरकार के समाजनों पर अधिकार मानवाना चाहिए। इसी अधिकार का असामान दिलाने के लिए अटल आवासीय विद्यालय को शिक्षा के एक मॉडल के रूप में प्रस्तुत किया गया है। सीएम ने कहा कि अभी औपचारिक रूप से एक लकास रुम में बच्चों के साथ इंटरेक्शन का अवसर प्राप्त हो या अधिकारी जैसी विद्यालयों में आवासीय विद्यालय की शिक्षा की गुणवत्ता का मानक

माकपा नेता सीताराम येचुरी का निधन, शरीर एक्स को दाना

एजेंसी, नई दिल्ली।



राजनेता सीताराम येचुरी के निधन पर राजनीतिक जाति से शोक सद्देश प्राप्त हो रहे हैं। लोकसभा के प्रतिष्ठित के नेता राजनीतिक गांधी के कहा कि सीताराम येचुरी उनके विद्यमान थे। हाथारे देश की गहरी सम्बन्ध रखने वाले भारत के विचार के संरक्षक थे। वे उनके साथ होने वाली लंबी चर्चाओं को दाना करोंगे। दुख की अवसर प्राप्त हो या अधिकारी जैसे विद्यालय की शिक्षा की गुणवत्ता का मानक

बने। बिना भेदभाव के समाज के हर तरबके के बच्चे को उसकी जाति, वेहरा, क्षेत्र और भाषा पूछे बगैर देश, समाज, सरकार के समाजनों पर अधिकार मानवाना चाहिए। इसी अधिकार का असामान दिलाने के लिए अटल आवासीय विद्यालय को शिक्षा के एक मॉडल के रूप में प्रस्तुत किया गया है। सीएम ने कहा कि अभी औपचारिक रूप से एक लकास रुम में बच्चों के साथ इंटरेक्शन का अवसर प्राप्त हो या अधिकारी जैसी विद्यालयों में आवासीय विद्यालय की शिक्षा की गुणवत्ता का मानक

बने। बिना भेदभाव के समाज के हर तरबके के बच्चे को उसकी जाति, वेहरा, क्षेत्र और भाषा पूछे बगैर देश, समाज, सरकार के समाजनों पर अधिकार मानवाना चाहिए। इसी अधिकार का असामान दिलाने के लिए अटल आवासीय विद्यालय को शिक्षा के एक मॉडल के रूप में प्रस्तुत किया गया है। सीएम ने कहा कि अभी औपचारिक रूप से एक लकास रुम में बच्चों के साथ इंटरेक्शन का अवसर प्राप्त हो या अधिकारी जैसी विद्यालयों में आवासीय विद्यालय की शिक्षा की गुणवत्ता का मानक

बने। बिना भेदभाव के समाज के हर तरबके के बच्चे को उसकी जाति, वेहरा, क्षेत्र और भाषा पूछे बगैर देश, समाज, सरकार के समाजनों पर अधिकार मानवाना चाहिए। इसी अधिकार का असामान दिलाने के लिए अटल आवासीय विद्यालय को शिक्षा के एक मॉडल के रूप में प्रस्तुत किया गया है। सीएम ने कहा कि अभी औपचारिक रूप से एक लकास रुम में बच्चों के साथ इंटरेक्शन का अवसर प्राप्त हो या अधिकारी जैसी विद्यालयों में आवासीय विद्यालय की शिक्षा की गुणवत्ता का मानक

बने। बिना भेदभाव के समाज के हर तरबके के बच्चे को उसकी जाति, वेहरा, क्षेत्र और भाषा पूछे बगैर देश, समाज, सरकार के समाजनों पर अधिकार मानवाना चाहिए। इसी अधिकार का असामान दिलाने के लिए अटल आवासीय विद्यालय को शिक्षा के एक मॉडल के रूप में प्रस्तुत किया गया है। सीएम ने कहा कि अभी औपचारिक रूप से एक लकास रुम में बच्चों के साथ इंटरेक्शन का अवसर प्राप्त हो या अधिकारी जैसी विद्यालयों में आवासीय विद्यालय की शिक्षा की गुणवत्ता का मानक

बने। बिना भेदभाव के समाज के हर तरबके के बच्चे को उसकी जाति, वेहरा, क्षेत्र और भाषा पूछे बगैर देश, समाज, सरकार के समाजनों पर अधिकार मानवाना चाहिए। इसी अधिकार का असामान दिलाने के लिए अटल आवासीय विद्यालय को शिक्षा के एक मॉडल के रूप में प्रस्तुत किया गया है। सीएम ने कहा कि अभी औपचारिक रूप से एक लकास रुम में बच्चों के साथ इंटरेक्शन का अवसर प्राप्त हो या अधिकारी जैसी विद्यालयों में आवासीय विद्यालय की शिक्षा की गुणवत्ता का मानक

बने। बिना भेदभाव के समाज के हर तरबके के बच्चे को उसकी जाति, वेहरा, क्षेत्र और भाषा पूछे बगैर देश, समाज, सरकार के समाजनों पर अधिकार मानवाना चाहिए। इसी अधिकार का असामान दिलाने के लिए अटल आवासीय विद्यालय को शिक्षा के एक मॉडल के रूप में प्रस्तुत किया गया है। सीएम ने कहा कि अभी औपचारिक रूप से एक लकास रुम में बच्चों के साथ इंटरेक्शन का अवसर प्राप्त हो या अधिकारी जैसी विद्यालयों में आवासीय विद्यालय की शिक्षा की गुणवत्ता का मानक

बने। बिना भेदभाव के समाज के हर तरबके के बच्चे को उसकी जाति, वेहरा, क्षेत्र और भाषा पूछे बगैर देश, समाज, सरकार के समाजनों पर अधिकार मानवाना चाहिए। इसी अधिकार का असामान दिलाने के लिए अटल आवासीय विद्यालय को शिक्षा के एक मॉडल के रूप में प्रस्तुत किया गया है। सीएम ने कहा कि अभी औपचारिक रूप से एक लकास रुम में बच्चों के साथ इंटरेक्शन का अवसर प्राप्त हो या अधिकारी जैसी विद्यालयों में आवासीय विद्यालय की शिक्षा की गुणवत्ता का मानक

बने। बिना भेदभाव के समाज के हर तरबके के बच्चे को उसकी जाति, वेहरा, क्षेत्र और भाषा पूछे बगैर देश, समाज, सरकार के समाजनों पर अधिकार मानवाना चाहिए। इसी अधिकार का असामान दिलाने के लिए अटल आवासीय विद्यालय को शिक्षा के एक मॉडल के रूप में प्रस्तुत किया गया है। सीएम ने कहा कि अभी औपचारिक रूप से एक लकास रु

